संबंधी अलग से कोई केन्द्रीय प्रायोजित स्कीम नहीं है ।

मध्य प्रदेश की पर्यावरणीय अनुमोदन हेतु लंबित परियोजनाएं

1267. **श्री दिलीप सिंह जूदेव** : क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश की कौन-कौन सी विकास परियोजनायें पर्यावरणीय अनुमोदन हेतु मंत्रालय में लंबित पड़ी हैं;

(ख) ये परियोजनायें कब से लंबित पड़ी हैं और उसके क्या कारण हैं; और

(ग) इन परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने के लिये क्या-क्या कदम उठाये गये हैं ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमलनाथ) : (क) और (ख) परियोजनाओं की सूची जिसमें उनकी प्राप्ति की तारीख तथा लंबित होने के कारण दिये गये हैं निम्नलिखित है :

परियोजना का नाम	प्राप्ति की तारीख	लम्बित होने के कारण
1. बीना ताप विद्युत केन्द्र, (4×250 मे.वा.) मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड	22-7-94	अतिरिक्त सूचना की प्रतीक्षा है ।
2. मंगधार में संजय गांधी ताप विद्युत केन्द्र, विस्तार चरण-II मध्य प्रदेश विद्युत बोर्ड	6-10-94	-वही-
3. मोंगरा सिंचाई परियोजना, सिंचाई विभाग, मध्य प्रदेश सरकार	5-9-90	-वही-
4. रौघाट लौह अयस्क, स्टील आथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड	8-6-87	-वही-
5. कुतेश्वर चूना पत्थर खान, स्टील आथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड	1-12-93	- ही-
6. बाराद्वार डोलोमाईट स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड	26-9-94	वानि पहलुओं से संबद्ध
7. निधाई खुली खदान (विस्तार) नार्दन कोल फील्ड्स लिमिटेड	11-10-94	अतिरिक्त सूचना की प्रतीक्षा है ।
8. बोक्साइट खान, हिंडालको इंडिया लि०	8-11-94	-वही-

(ग) इस मंत्रालय को सम्पूर्ण सूचना प्रस्तुत करने की तारीख से तीन माह के भीतर परियोजना प्रस्तावों पर पर्यावरणीय दृष्टि से निर्णय लेने के लिए विचार किया जाएगा।